आखिर सोचा बात

आखिर सोचा बात , आज दिल की बता दूँ
जो बरसों से नहीं कहा , आज वो भी सुना दूँ

पहले उस का देश ढूंढा .....
फिर उसका शहर ढूंढा .....
फिर मोहल्ला .....
फिर गली ढूंढी .....
फिर घर ढूंढा .....

फिर जा कर दरवाज़ा खटखटाया
बहुत देर के बाद ,अंदर से कोई आया
इस से पहले, कि बात दिल की , उसे कहते
किसी ने बताया "वो अब जहां नहीं रहते "

यारो बात जो दिल में है , वो आज ही कहि दो
तुम भी कही , मेरी तरह न रहि जाओ

तुम को भी न , कभी यह कहना पड़े .....कि

आखिर सोचा बात , आज दिल की बता दूँ
जो बरसों से नहीं कहा , आज वो भी सुना दूँ

पहले उस का देश ढूंढा .....
फिर उसका शहर ढूंढा .....
फिर मोहल्ला .....

फिर गली ढूंढी .....

फिर घर ढूंढा .....

फिर जा कर दरवाज़ा खटखटाया

बहुत देर के बाद ,अंदर से कोई आया

इस से पहले, कि बात दिल की , उसे कहते

किसी ने बताया "वो अब जहां नहीं रहते "

"वो अब जहां नहीं रहते "